रविवार 4 अप्रैल, 2021

विषय — कल्पना

स्वर्ण पाठ: प्रकाशित वाक्य 19 : 6

"फिर मैं ने बड़ी भीड़ का सा, और बहुत जल का सा शब्द, और गर्जनों का सा बड़ा शब्द सुना, कि हल्लिलूय्याह*!*
इसलिये कि प्रभु हमारा परमेश्वर, सर्वशक्तिमान राज्य करता है।"

उत्तरदायी अध्ययन: प्रकाशित वाक्य 19: 11-16

11 फिर मैं ने स्वर्ग को खुला हुआ देखा; और देखता हूं कि एक श्वेत घोड़ा है; और उस पर एक सवार है, जो
विश्वास योग्य, और सत्य कहलाता है; और वह धर्म के साथ न्याय और लड़ाई करता है।
12 उस की आंखे आग की ज्वाला हैं: और उसके सिर पर बहुत से राजमुकुट हैं; और उसका एक नाम लिखा
है, जिस उस को छोड़ और कोई नहीं जानता।
13 और वह लोहू से छिड़का हुआ वस्त्र पहिने है: और उसका नाम परमेश्वर का वचन है।
14 और स्वर्ग की सेना श्वेत घोड़ों पर सवार और श्वेत और शुद्ध मलमल पहिने हुए उसके पीछे पीछे है।
15 और जाति जाति को मारने के लिये उसके मुंह से एक चोखी तलवार निकलती है, और वह लोहे का
राजदण्ड लिए हुए उन पर राज्य करेगा, और वह सर्वशक्तिमान परमेश्वर के भयानक प्रकोप की
जलजलाहट की मदिरा के कुंड में दाख रौंदेगा।
16 और उसके वस्त्र और जांघ पर यह नाम लिखा है, राजाओं का राजा और प्रभुओं का प्रभु॥

पाठ उपदेश

बाइबल

1. यशायाह 40 : 1-5

1 तुम्हारा परमेश्वर यह कहता है, मेरी प्रजा को शान्ति दो, शान्ति!
2 यरूशलेम से शान्ति की बातें कहो; और उस से पुकार कर कहो कि तेरी कठिन सेवा पूरी हुई है, तेरे अधर्म
का दण्ड अंगीकार किया गया है: यहोवा के हाथ से तू अपने सब पापों का दूना दण्ड पा चुका है॥
3 किसी की पुकार सुनाई देती है, जंगल में यहोवा का मार्ग सुधारो, हमारे परमेश्वर के लिये अराबा में एक
राजमार्ग चौरस करो।

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

4 हर एक तराई भर दी जाए और हर एक पहाड़ और पहाड़ी गिरा दी जाए; जो टेढ़ा है वह सीधा और जो ऊंचा नीचा है वह चौरस किया जाए।
5 तब यहोवा का तेज प्रगट होगा और सब प्राणी उसको एक संग देखेंगे; क्योंकि यहोवा ने आप ही ऐसा कहा है॥

2. लूका 4 : 14-21

14 फिर यीशु आत्मा की सामर्थ से भरा हुआ गलील को लौटा, और उस की चर्चा आस पास के सारे देश में फैल गई।
15 और वह उन की आराधनालयों में उपदेश करता रहा, और सब उस की बड़ाई करते थे॥
16 और वह नासरत में आया; जहां पाला पोसा गया था; और अपनी रीति के अनुसार सब्त के दिन आराधनालय में जा कर पढ़ने के लिये खड़ा हुआ।
17 यशायाह भविष्यद्वक्ता की पुस्तक उसे दी गई, और उस ने पुस्तक खोलकर, वह जगह निकाली जहां यह लिखा था।
18 कि प्रभु का आत्मा मुझ पर है, इसलिये कि उस ने कंगालों को सुसमाचार सुनाने के लिये मेरा अभिषेक किया है, और मुझे इसलिये भेजा है, कि बन्धुओं को छुटकारे का और अन्धों को दृष्टि पाने का सुसमाचार प्रचार करूं और कुचले हुओं को छुड़ाऊं।
19 और प्रभु के प्रसन्न रहने के वर्ष का प्रचार करूं।
20 तब उस ने पुस्तक बन्द करके सेवक के हाथ में दे दी, और बैठ गया: और आराधनालय के सब लोगों की आंख उस पर लगी थीं।
21 तब वह उन से कहने लगा, कि आज ही यह लेख तुम्हारे साम्हने पूरा हुआ है।

3. लूका 8: 41, 42 (*से 1st.*), 49-55

41 और देखो, याईर नाम एक मनुष्य जो आराधनालय का सरदार था, आया, और यीशु के पांवों पर गिर के उस से बिनती करने लगा, कि मेरे घर चल।
42 क्योंकि उसके बारह वर्ष की एकलौती बेटी थी, और वह मरने पर थी: जब वह जा रहा था, तब लोग उस पर गिरे पड़ते थे॥
49 वह यह कह ही रहा था, कि किसी ने आराधनालय के सरदार के यहां से आकर कहा, तेरी बेटी मर गई: गुरु को दु: ख न दे।
50 यीशु ने सुनकर उसे उत्तर दिया, मत डर; केवल विश्वास रख; तो वह बच जाएगी।
51 घर में आकर उस ने पतरस और यूहन्ना और याकूब और लड़की के माता-पिता को छोड़ और किसी को अपने साथ भीतर आने न दिया।

52 और सब उसके लिये रो पीट रहे थे, परन्तु उस ने कहा; रोओ मत; वह मरी नहीं परन्तु सो रही है।
53 वे यह जानकर, कि मर गई है, उस की हंसी करने लगे।
54 परन्तु उस ने उसका हाथ पकड़ा, और पुकारकर कहा, हे लड़की उठ!
55 तब उसके प्राण फिर आए और वह तुरन्त उठी; फिर उस ने आज्ञा दी, कि उसे कुछ खाने को दिया जाए।

4. लूका 22 : 1, 2

1 अखमीरी रोटी का पर्व्व जो फसह कहलाता है, निकट था।
2 और महायाजक और शास्त्री इस बात की खोज में थे कि उस को क्योंकर मार डालें, पर वे लोगों से डरते थे॥

5. लूका 23 : 1-4, 20, 21, 24, 33, 34, 45-47

1 तब सारी सभा उठकर उसे पीलातुस के पास ले गई।
2 और वे यह कहकर उस पर दोष लगाने लगे, कि हम ने इसे लोगों को बहकाते और कैसर को कर देने से मना करते, और अपने आप को मसीह राजा कहते हुए सुना है।
3 पीलातुस ने उस से पूछा, क्या तू यहूदियों का राजा है? उस ने उसे उत्तर दिया, कि तू आप ही कह रहा है।
4 तब पीलातुस ने महायाजकों और लोगों से कहा, मैं इस मनुष्य में कुछ दोष नहीं पाता।
20 पर पीलातुस ने यीशु को छोड़ने की इच्छा से लोगों को फिर समझाया।
21 परन्तु उन्होंने चिल्लाकर कहा: कि उसे क्रूस पर चढ़ा, क्रूस पर।
24 सो पीलातुस ने आज्ञा दी, कि उन की बिनती के अनुसार किया जाए।
33 जब वे उस जगह जिसे खोपड़ी कहते हैं पहुंचे, तो उन्होंने वहां उसे और उन कुकिर्मयों को भी एक को दाहिनी और और दूसरे को बाईं और क्रूसों पर चढ़ाया।
34 तब यीशु ने कहा; हे पिता, इन्हें क्षमा कर, क्योंकि ये नहीं जानते कि क्या कर रहें हैं और उन्होंने चिट्ठियां डालकर उसके कपड़े बांट लिए।
45 और सूर्य का उजियाला जाता रहा, और मन्दिर का परदा बीच में फट गया।
46 और यीशु ने बड़े शब्द से पुकार कर कहा; हे पिता, मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूं: और यह कहकर प्राण छोड़ दिए।
47 सूबेदार ने, जो कुछ हुआ था देखकर, परमेश्वर की बड़ाई की, और कहा; निश्चय यह मनुष्य धर्मी था।

6. मरकुस 16 : 9-15, 17-20

9 सप्ताह के पहिले दिन भोर होते ही वह जी उठ कर पहिले पहिल मरियम मगदलीनी को जिस में से उस ने सात दुष्टात्माएं निकाली थीं, दिखाई दिया।

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

10 उस ने जाकर उसके साथियों को जो शोक में डूबे हुए थे और रो रहे थे, समाचार दिया।
11 और उन्होंने यह सुनकर की वह जीवित है, और उस ने उसे देखा है प्रतीति न की॥
12 इस के बाद वह दूसरे रूप में उन में से दो को जब वे गांव की ओर जा रहे थे, दिखाई दिया।
13 उन्होंने भी जाकर औरों को समाचार दिया, परन्तु उन्होंने उन की भी प्रतीति न की॥
14 पीछे वह उन ग्यारहों को भी, जब वे भोजन करने बैठे थे दिखाई दिया, और उन के अविश्वास और मन की कठोरता पर उलाहना दिया, क्योंकि जिन्हों ने उसके जी उठने के बाद उसे देखा था, इन्होंने उन की प्रतीति न की थी।
15 और उस ने उन से कहा, तुम सारे जगत में जाकर सारी सृष्टि के लोगों को सुसमाचार प्रचार करो।
17 और विश्वास करने वालों में ये चिन्ह होंगे कि वे मेरे नाम से दुष्टात्माओं को निकालेंगे।
18 नई नई भाषा बोलेंगे, सांपों को उठा लेंगे, और यदि वे नाशक वस्तु भी पी जांए तौभी उन की कुछ हानि न होगी, वे बीमारों पर हाथ रखेंगे, और वे चंगे हो जाएंगे।
19 निदान प्रभु यीशु उन से बातें करने के बाद स्वर्ग पर उठा लिया गया, और परमेश्वर की दाहिनी ओर बैठ गया।
20 और उन्होंने निकलकर हर जगह प्रचार किया, और प्रभु उन के साथ काम करता रहा, और उन चिन्हों के द्वारा जो साथ साथ होते थे वचन को, दृढ़ करता रहा। आमीन॥

विज्ञान और स्वास्थ्य

1. 76 : 18-21

दुख, पाप, मरते विश्वास असत्य हैं। जब दैवीय विज्ञान को सार्वभौमिक रूप से समझा जाता है, तो उनके पास मनुष्य पर कोई शक्ति नहीं होगी, क्योंकि मनुष्य अमर है और दिव्य अधिकार से जीवित है।

2. 487 : 27-29

यह समझ कि जीवन ईश्वर है, आत्मा, जीवन की मृत्युहीन वास्तविकता, हमारे सर्वशक्तिमानता और अमरता में हमारे विश्वास को मजबूत करके हमारे दिनों को लंबा कर देती है।

3. 428 : 3-6, 30-10

जीवन वास्तविक है, और मृत्यु भ्रम है। यीशु के मार्ग में आत्मा के तथ्यों का प्रदर्शन भौतिक अर्थों के सबसे गहरे दर्शन को सामंजस्य और अमरता में बदल देता है।

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

लेखक ने आशाहीन जैविक बीमारी को ठीक किया है, और जीवन और स्वास्थ्य को भगवान की समझ के माध्यम से उठाया है जो कि मर रहा था। यह मानना कि पाप सर्वशक्तिमान और अनन्त जीवन पर हावी हो सकता है, यह पाप है और इस जीवन को इस समझ के साथ प्रकाश में लाया जाना चाहिए कि कोई मृत्यु नहीं है, साथ ही साथ आत्मा के अन्य अनुग्रह द्वारा भी। हालांकि, हमें नियंत्रण के अधिक सरल प्रदर्शनों के साथ शुरू करना चाहिए, और जितनी जल्दी हम शुरू करेंगे, उतना ही बेहतर होगा। अंतिम प्रदर्शन अपनी उपलब्धि के लिए समय लेता है। चलते समय, हम आंख से निर्देशित होते हैं। हम अपने पैरों से पहले देखते हैं, और अगर हम बुद्धिमान हैं, तो हम आध्यात्मिक उन्नति की रेखा में एक भी कदम से परे हैं।

4. 429 : 31-12

यीशु ने कहा (यूहन्ना 8: 51), "यदि कोई व्यक्ति मेरे वचन पर चलेगा, तो वह अनन्त काल तक मृत्यु को न देखेगा।" यह कथन आध्यात्मिक जीवन तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें अस्तित्व की सभी घटनाएं शामिल हैं। यीशु ने यह प्रदर्शित किया, मरते हुए और मृतकों को ऊपर उठाते हुए। नश्वर मन को त्रुटि के साथ भाग लेना चाहिए, अपने कर्मों से खुद को दूर करना चाहिए, और अमर आदर्श मर्दानगी, मसीह आदर्श दिखाई देगा। विश्वास को अपनी सीमाओं को बढ़ाना चाहिए और पदार्थ के बजाय आत्मा पर आराम करके अपने आधार को मजबूत करना चाहिए। जब मनुष्य मृत्यु पर अपना विश्वास छोड़ देता है, तो वह ईश्वर, जीवन और प्रेम की ओर अधिक तेजी से आगे बढ़ेगा। बीमारी और मृत्यु में विश्वास, निश्चित रूप से पाप में विश्वास के रूप में, जीवन और स्वास्थ्य की सही भावना को बंद करने के लिए जाता है। मानव जाति विज्ञान के इस महान तथ्य को कब जगाएगी?

5. 289 : 14-20

यह तथ्य कि क्राइस्ट या सत्य, मृत्यु पर काबू पा लेता है और "आतंकियों का राजा" साबित हो जाता है, लेकिन एक नश्वर विश्वास, या त्रुटि, जिसे सत्य जीवन के आध्यात्मिक प्रमाणों से नष्ट कर देता है; और इससे पता चलता है कि मृत्यु के प्रति इंद्रियों को जो दिखाई देता है वह वास्तविक मनुष्य और वास्तविक ब्रह्मांड के लिए एक नश्वर भ्रम है, लेकिन मृत्यु-प्रक्रिया नहीं है।

6. 24 : 27-31

क्रूस की प्रभावकारिता व्यावहारिक स्नेह और भलाई में निहित है जो मानव जाति के लिए प्रदर्शित हुई। सच्चाई पुरुषों के बीच रह चुकी थी; लेकिन जब तक उन्होंने देखा कि इसने अपने गुरु को कब्र पर विजय प्राप्त करने के लिए सक्षम कर दिया है, तब तक उनके अपने शिष्य इस तरह के आयोजन को संभव नहीं मानते थे।

7. 42 : 5-8, 15-2

मृत्यु में सार्वभौमिक विश्वास का कोई फायदा नहीं है। यह जीवन या सत्य को स्पष्ट नहीं कर सकता। मृत्यु को एक नश्वर सपना माना जाएगा, जो अंधेरे में आता है और प्रकाश के साथ गायब हो जाता है।

ईश्वर की शक्ति के महान प्रदर्शनकारी का पुनरुत्थान शरीर और पदार्थ पर उसकी अंतिम विजय का प्रमाण था, और ईश्वरीय विज्ञान का पूर्ण प्रमाण दिया, - साक्ष्यों के लिए इतना महत्वपूर्ण है। यह विश्वास कि मनुष्य का अस्तित्व या मन ईश्वर से अलग है, एक त्रुटि है। यीशु ने दिव्य विज्ञान के साथ इस त्रुटि का सामना किया और अपने गैर-अस्तित्व को साबित किया। परमेश्वर के अभिषिक्त, प्रलोभन, पाप, बीमारी, और मृत्यु के कारण जो चमत्कारिक महिमा थी, उसके कारण यीशु के लिए कोई आतंक नहीं था। पुरुषों को लगता है कि उन्होंने शरीर को मार डाला! बाद में वह इसे उन्हें अपरिवर्तित दिखाएगा। यह दर्शाता है कि ईसाई विज्ञान में सच्चा मनुष्य ईश्वर द्वारा शासित है - अच्छाई से, बुराई से नहीं - और इसलिए वह नश्वर नहीं बल्कि अमर है। यीशु ने अपने शिष्यों को इस प्रमाण का विज्ञान पढ़ाया था। वह यहाँ था कि वह उन्हें अभी भी बिना सोचे समझे परीक्षण करने में सक्षम बनाता है, "कि जो मुझ पर विश्वास रखता है, ये काम जो मैं करता हूं वह भी करेगा" उन्हें पूरी तरह से अपने जीवन-सिद्धांत को गलती से कास्टिंग करना, बीमारों को चंगा करना, और मृतकों को उठाना चाहिए, यहां तक कि उन्होंने इसे उनके शारीरिक प्रस्थान के बाद भी समझा।

8. 43 : 32-19

प्यार नफरत पर विजय चाहिए। सत्य और जीवन को जीत और त्रुटि और मृत्यु पर रोकना होगा, इससे पहले कि काँटे को एक मुकुट के लिए अलग रखा जा सके, बीडक्शन कहता है, "अच्छा काम अच्छा एवं विश्वसनीय सेवक," और आत्मा की सर्वोच्चता का प्रदर्शन किया जाए।

मकबरे की एकाकी प्रवृत्ति ने यीशु को उसके शत्रुओं से मुक्ति दिलाई, एक ऐसी जगह जिसमें होने की बड़ी समस्या को हल करना था। सीपुलचर में उनके तीन दिनों के काम ने समय पर अनंत काल की मुहर लगा दी। उन्होंने जीवन को मृत्युहीन और प्रेम को घृणा का स्वामी साबित कर दिया। उन्होंने मेडिसिन, सर्जरी और हाइजीन के सभी दावों पर क्रिश्चियन साइंस, माइंड की शक्ति, के आधार पर मुलाकात और महारत हासिल की।

उन्होंने सूजन को कम करने के लिए कोई दवा नहीं ली। उसने भोजन और शुद्ध हवा पर निर्भर नहीं किया कि वह बर्बाद होने वाली ऊर्जाओं को पुनर्जीवित करे। उन्हें फटे हथेलियों को ठीक करने और घायल पक्ष और पैरों को ढीला करने के लिए एक सर्जन के कौशल की आवश्यकता नहीं थी, कि वह नैपकिन और घुमावदार शीट को हटाने के लिए उन हाथों का उपयोग कर सकते हैं, और हो सकता है कि वह अपने पैरों को पहले से नियोजित करें।

9. 44 : 28-5

उनके शिष्यों ने यीशु को मृत मानते हुए कहा कि वह कब्र में छिपे हुए थे, जबकि वह जीवित थे, नश्वर, भौतिक अर्थों को उखाड़ने के लिए आत्मा की संकीर्ण कब्र के भीतर प्रदर्शन किया। रास्ते में रॉक-रिब्ड दीवारें थीं, और गुफा के मुंह से एक महान पत्थर को लुढ़काया जाना चाहिए; लेकिन यीशु ने हर भौतिक बाधा को पार कर लिया, मामले के हर नियम को पछाड़ दिया, और अपने उदास आराम करने वाले स्थान से आगे बढ़ गए, एक शानदार सफलता की महिमा के साथ ताज पहनाया, हमेशा की जीत।

10. 45 : 16-21

भगवान की जय हो, और संघर्षशील दिलों को शांति मिले! मसीह ने मानव आशा और विश्वास के द्वार से पत्थर को लुढ़का दिया, और ईश्वर में जीवन के रहस्योद्घाटन और प्रदर्शन के माध्यम से, उन्हें मनुष्य के आध्यात्मिक विचार और उनके दिव्य सिद्धांत, प्रेम के साथ संभवतया एक-मानसिक रूप से उन्नत किया।

11. 31: 17-22 (से.)

उनकी कीमती उपदेशों का पालन करते हुए, — उनके प्रदर्शन के बाद अब तक हम इसे स्वीकार करते हैं, — हम उसके प्याले को पीते हैं, हम उसकी रोटी का हिस्सा बनाते हैं, उसकी पवित्रता से बपतिस्मा लेते हैं: और अंत में हम मृत्यु के ऊपर विजय प्राप्त करने वाले दिव्य सिद्धांत की पूर्ण समझ में, उसके साथ बैठेंगे।

दैनिक कर्तव्यों

मैरी बेकर एड्डी द्वारा

दैनिक प्रार्थना

प्रत्येक दिन प्रार्थना करने के लिए इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का कर्तव्य होगा: "तुम्हारा राज्य आओ;" ईश्वरीय सत्य, जीवन और प्रेम के शासन को मुझमें स्थापित करो, और मुझ पर शासन करो; और तेरा वचन सभी मनुष्यों के स्नेह को समृद्ध कर सकता है, और उन पर शासन करो!

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 4

उद्देश्यों और कृत्यों के लिए एक नियम

न तो दुश्मनी और न ही व्यक्तिगत लगाव मदर चर्च के सदस्यों के उद्देश्यों या कृत्यों को लागू करना चाहिए। विज्ञान में, दिव्य प्रेम ही मनुष्य को नियंत्रित करता है; और एक क्रिश्चियन साइंटिस्ट प्यार की मीठी सुविधाओं को दर्शाता है, पाप में डांटने पर, सच्चा भाईचारा, परोपकार और क्षमा में। इस चर्च के सदस्यों को प्रतिदिन ध्यान रखना चाहिए और प्रार्थना को सभी बुराईयों से दूर करने, भविष्यद्वाणी, न्याय करने, निंदा करने, परामर्श देने, प्रभावित करने या गलत तरीके से प्रभावित होने से बचाने के लिए प्रार्थना करनी चाहिए।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 1

कर्तव्य के प्रति सतर्कता

इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का यह कर्तव्य होगा कि वह प्रतिदिन आक्रामक मानसिक सुझाव से बचाव करे, और भूलकर भी ईश्वर के प्रति अपने कर्तव्य की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए, अपने नेता और मानव जाति के लिए। उनके कामों से उन्हें आंका जाएगा, — और वह उचित या निंदनीय होगा।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 6

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।